AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विदेश में नौकरी-पढ़ाई के लिए छात्रों की पहली पसंद कनाडा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की नौकरी और आगे की पढ़ाई के लिए पहली पसंद कनाडा है। 179 विद्यार्थियों ने अपनी ट्रांसक्रिप्ट बनवाई है। इसमें से 162 ने कनाडा के लिए ट्रांसस्क्रिप्ट बनवाई है।

विदेशों में नौकरी से लेकर वीजा, किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश और निवास के लिए ट्रांसक्रिप्ट की जरूरत होती है। इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन दिए जा सकते हैं। वहीं विवि एक सप्ताह में आवेदनकर्ता को ट्रांसक्रिप्ट जारी कर देता है।

लविवि में 26 जुलाई 2022 से 11 अगस्त 2023 तक 179 विद्यार्थियों की ट्रांसक्रिप्ट जारी की गई। यूएसए के लिए 06, नास्वा के लिए 04, न्यूयार्क के लिए 02 और साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, वर्लिंग्टन, ऑक्सफोर्ड, वाटरटाउन के लिए एक-एक छात्र ने ट्रांसक्रिप्ट जारी करवाई है।

एमएससी की कक्षाएं 11 से

लखनऊ। लविवि में एमएससी केमिस्ट्री पहले सेमेस्टर की कक्षाएं 11 सितंबर और एमएससी फिजिक्स की कक्षाएं 13 सितंबर से शुरू होंगी। दोनों विभागाध्यक्षों ने पत्र जारी कर सूचना दी। टाइमटेबल आदि के बारे में विद्यार्थी विभागाध्यक्ष कार्यालय या वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। (संवाद)

पुराने साथी मिले तो खिले चेहरे

लविवि के भूगोल विभाग में पुस्तक विमोचन करते पुरातन छात्रा। - संवाद

लविवि के भूगोल विभाग में पुरातन छात्र सम्मेलन

लखनऊ। लविवि के भूगोल विभाग में शनिवार को विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। पुराने साथियों से मिलकर सभी के चेहरे खिल गए। सभी ने विभाग में अपने पुराने दिनों को याद कर उपलब्धियां भी साझा कीं। पूर्व छात्र विभागाध्यक्ष भूगोल नेशनल कॉलेज प्रो. पीके सिंह ने पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह को याद किया। वहीं पूर्व छात्र अशोक द्विवेदी, कीर्ति वर्मा ने भी अपने विचार साझा किए। इस दौरान 2007 में विभाग से एमए करने वाली छात्रा आकांक्षा पाठक की पुस्तक मानचित्र अभ्यास कार्यपुस्तिका का विमोचन किया गया। संयोजक डॉ. अरुण द्विवेदी, डॉ. कासिफ इमदाद, डॉ. अनूप सिंह, व डॉ. लालकृष्ण मिश्र आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

NBT PAGE 6

पसंद | नौकरी और पढ़ाई के लिए एलयू के 162 और एकेटीयू के 255 स्टूडेंट्स ने बनवाई ट्रांसक्रिप्ट

LU और AKTU के स्टूडेंट्स की पहली पसंद बना कनाडा

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू और एकेटीयू से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए कनाडा पहली पसंद बनता जा रहा है। नौकरी और पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स ने सबसे अधिक कनाडा को ही चुना है। विशेषज्ञों का कहना है कि कनाडा में न सिर्फ जॉब्स की बहुत संभावनाएं हैं, बल्कि एजुकेशनल और जॉब्स की पॉलिसी भी सॉफ्ट हैं, इसलिए स्टूडेंट्स का झुकाव कनाडा की ओर सबसे ज्यादा है। अब तक नौकरी और पढ़ाई के लिए एलयू के 162 और एकेटीयू के 255 स्टूडेंट्स ने कनाडा के लिए ट्रांसक्रिप्ट बनवाई हैं।

एलयू में ट्रांसक्रिप्ट के लिए स्टूडेंट्स ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की तिथि से एक सप्ताह के अंदर ट्रांसक्रिप्ट जारी कर दी जाती है। ट्रांसक्रिप्ट फिजिकली और ईमेल दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराई जाती है। एलयू में 26 जुलाई 2022 से 11 अगस्त 2023 के बीच बनी ट्रांसक्रिप्ट का डाटा देखें तो अभी तक कुल 179 स्टूडेंट्स ने ट्रांसक्रिप्ट बनवाई है। इसमें 162 स्टूडेंट्स ने कनाडा के लिए ट्रांसक्रिप्ट शैक्षिक गतिविधियों और नौकरी के लिए बनवाई है। इसके अलावा यूएसए के लिए 6, नास्वा के लिए 4, न्यूआर्क के लिए 2, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, वर्लिंग्टन, ऑक्सफोर्ड और वाटरटाउन के लिए एक-एक ट्रांसक्रिप्ट एलयू के स्टूडेंट्स ने बनवाई है। वहीं एकेटीयू के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी माह में कनाडा के लिए ट्रांसक्रिप्ट बनवाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या 255 है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में ट्रांसक्रिप्ट के लिए स्टूडेंट्स ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से कर सकते हैं आवेदन

यह है शैक्षिक ट्रांसक्रिप्ट

शैक्षिक ट्रांसक्रिप्ट एक आधिकारिक दस्तावेज होता है जिसमें स्टूडेंट की शैक्षिक योग्यता की जानकारी होती है। यह दस्तावेज स्टूडेंट के शिक्षण संस्थान से मिलता है। ट्रांसक्रिप्ट में स्टूडेंट की कक्षाएं, ग्रेड, अंक और अन्य शैक्षिक विवरण शामिल होते हैं। यह विदेश में स्कॉलरशिप, नौकरी के लिए आवेदन और शिक्षा के लिए आवश्यक होती है। शैक्षिक ट्रांसक्रिप्ट का उपयोग शैक्षिक प्रगति और योग्यता को प्रमाणित करने में होता है।

“ एलयू से कनाडा के लिए अधिक ट्रांसक्रिप्ट जारी हुई हैं, यह बात सही है। कनाडा में पढ़ाई और नौकरी के लिए मौजूदा समय में अधिक फ्रेंडली माहौल है। नौकरी के मौके अधिक हैं। ऐसे में ट्रांसक्रिप्ट के बढ़ते आवेदनों को देखते हुए एलयू में पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है।

– डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, एलयू प्रवक्ता

“ एकेटीयू से जनवरी व फरवरी महीने में 255 लोगों ने कनाडा के लिए ट्रांसक्रिप्ट बनवाई है। नौकरी के लिए अच्छा माहौल होने के कारण स्टूडेंट वहां जाना पसंद करते हैं।

– डॉ. पवन कुमार त्रिपाठी, पीआरओ

i-NEXT PAGE 4

बीबीए में सीट आवंटन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीबीए में खाली सीटों के सापेक्ष सातवां सीट आवंटन जारी कर दिया है. अभ्यर्थी सीट आवंटन का रिजल्ट देखकर 11 सितंबर को मध्य रात्रि तक फीस जमा कर सकते है.

दूसरों में खुशी ढूंढने की बजाय खुद से संतुष्ट रहें

लखनऊ यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग ने महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से शनिवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के मौके पर एक सेमिनार किया. इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला और डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के बारे में बताया. सत्र के वक्ता डॉ. सामदु छेत्री, इंटरनेशनल हैप्पीनेस गुरु रहे. उन्होंने माइंडफुलनेस के बारे में चर्चा की और कहा कि माइंडफुलनेस रचनात्मक दृष्टिकोण और विचारों को बनाने में मदद कर सकती है. उन्होंने स्टूडेंटस को खुशी के मंत्रों पर बात की. उन्होंने बताया कि युवाओं में आत्महत्या की दर सबसे अधिक है. ऐसे में कुछ मंत्र जीवन में रखने बहुत जरूरी हैं. इनमें दूसरों में खुशी न तलाश करने की सीख दी. कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक, डांस, प्रश्नोत्तरी, गायन और कविता के जरिए जीवन दर्शन के बारे में जानकारी दी.

वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। 63 यूपी बीएन एनसीसी लविवि की ओर से शनिवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता में अनुज चौहान को पहला, प्रशांत पांडेय को दूसरा और रिया गोस्वामी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी ने कहा कि कैडेट के लिए उसका आत्मविश्वास ही सब कुछ होता है। इसलिए हर परिस्थिति में इसे मजबूत बनाएं रखें। इस मौके पर मेजर किरण लता डंगवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे। (संवाद)

स्वयं में रहो, दूसरों की तलाश मत करो

लखनऊ। लविवि के मनोविज्ञान विभाग की ओर से शनिवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सामदु क्षेत्री ने छात्रों से कहा कि माइंडफुलनेस विधा रचनात्मक दृष्टिकोण को विचार बनने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि स्वयं में रहो, दूसरों की तलाश मत करो। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला व मानिनी श्रीवास्तव और विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

छात्रों ने लोक अदालत में पूछी समस्याएं

लखनऊ। एलयू के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय लोक अदालत में लोगों से समस्याएं पूछी। छात्र-छात्राओं ने न्यायालय कक्षों में जाकर लोगों के केस करने का कारण जाना। राष्ट्रीय लोक अदालत में एलयू की विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बंशीधर सिंह और केंद्र के चेयरपर्सन डॉ. आलोक कुमार यादव के साथ शामिल हुए।

हाइब्रिड मोड सत्र में छात्रों को बताए प्रसन्नता के मंत्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से शनिवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर हाइब्रिड मोड सत्र का आयोजन किया। बतौर वक्ता ग्रास नेशनल हैप्पीनेस सेंटर भूटान के संस्थापक सदस्य डा. सामदु छेत्री उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला ने बताया कि सत्र का उद्देश्य 'अभियान के माध्यम से आशा पैदा करना' था। सत्र में लगभग 150 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कुछ प्रसन्नता के मंत्रों के बारे में भी बात की, क्योंकि युवाओं में आत्महत्या की दर अधिक है। उनमें से एक मंत्र था कि "स्वयं रहो, दूसरों की तलाश मत करो, अंदर जाओ। उन्होंने सुझाव दिया कि आप आप हैं। अपने लिए आत्म-पुष्टि बनाने का प्रयास करें"। कार्यक्रम में छात्रों ने नुक्कड़ नाटक, नृत्य, प्रश्नोत्तरी, गायन, कविता पाठ भी किया। इस अवसर पर अध्ययन संस्थान की समन्वयक डा. मानिनी श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

मेरिट सूची जारी

लखनऊ : लवि ने बीएड स्पेशल एजुकेशन (वीआई, एचआइ, आइडी) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए मेरिट सूची जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 11 सितंबर को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जारी नोटिस के अनुसार अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग फैकल्टी आफ स्पेशल एजुकेशन लाइब्रेरी कमरा नंबर 127 में होगी। बीएड स्पेशल एजुकेशन में प्रवेश के लिए गैर दिव्यांग अभ्यर्थियों की फीस 30805 और और दिव्यांगों के लिए 5305 रुपये होगी। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

मिशन और ग्रहों के बारे में पढ़ेंगे विद्यार्थी

साइंस फैकल्टी बोर्ड की बैठक में 18 नए को-करिकुलर विषय के पेपर्स को मिली मंजूरी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित विभागों ने बीएससी पहले व तीसरे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं आकाशगंगा, सूर्य के ग्रहों से लेकर चंद्रयान व सौर मिशन के बारे में विस्तार से पढ़ सकेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग ने को-करिकुलर विषय में एलेनेटरी जियो साइंस नाम से पेपर तैयार किया है। वहीं, इंडियन जियोमारफोलाजी पेपर में हिमालय, गंगा के मैदान, दक्षिण के पठार, भारत की नदियां, पर्वत शृंखलाएं आदि भी पढ़ाया जाएगा। शुक्रवार को हुई विज्ञान संकाय के फैकल्टी बोर्ड की बैठक में 18 नए को-करिकुलर पेपर्स को मंजूरी दी गई है। अब इसे आगामी एकेडमिक काउंसिल की बैठक में अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि सभी विभागों को छह सितंबर तक नए को-करिकुलर पेपर तैयार करने के लिए कहा था। बीएससी पहले व तीसरे सेमेस्टर के लिए नौ-नौ को-करिकुलर पेपर बनाए गए हैं। किसी भी नए पेपर में 100 से अधिक विद्यार्थी नहीं लिए जाएंगे। छात्र-छात्राओं को यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से इन विषयों का चयन करना होगा, जिससे एक छात्र को एक ही विषय मिले। भू-विज्ञान विभाग ने को-करिकुलर विषय में एलेनेटरी जियो साइंस और इंडियन जियोमारफोलाजी पेपर बनाया है।

बनाए नए को-करिकुलर पेपर : आपरेशनल रिसर्च, प्लांट रिर्सोस यूटिलाइजेशन, एथनोबाटनी, बायो सिस्टमैटिक्स और इवोलुशनरी बायोलाजी, इंटरनेट प्राइमर, माइक्रोसाफ्ट आफिस, एनालिटिकल केमिस्ट्री, केमिकल एनर्जेटिक्स एंड रेडियोकेमिस्ट्री, लेजर्स एंड आप्टोइलेक्ट्रानिक्स, द सेकेंड क्वांटम रिवोलुएशन सहित कई अन्य।

बायोमीट्रिक उपस्थिति पर मंजूरी : प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि कई विभागों में 100 से 120 विद्यार्थी कक्षा में आते हैं। उनकी मैनुअल उपस्थति में समय लगता है। इसलिए सहमति बनी है कि छात्र-छात्राओं की बायोमीट्रिक उपस्थिति शुरू की जाए। इसका प्रस्ताव बनाकर कुलपति के पास भेजा जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सेमिनार हाल में शनिवार को पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान देने वाले छात्र शामिल हुए।

भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि अपने विभाग और विश्वविद्यालय को अब हम क्या दे सकते हैं, इस पर हमें जरूर ध्यान देना चाहिए। नेशनल पीजी कालेज के प्रोफेसर पीके सिंह ने भूगोल विभाग के शुरुआती दिनों से जुड़ी बातें कहीं। समाज कल्याण अधिकारी पवन कुमार यादव ने अपने शोध जीवन के विषय में बातें रखीं।

भूगोल विभाग में 2007 बैच की छात्रा आकांक्षा पाठक द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन विभागाध्यक्ष डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने किया • सौजन्य : लवि

समीक्षा अधिकारी डा. अशोक द्विवेदी ने अपने वल्चर पर किए कार्य एवं घाघरा बाढ़ प्रबंधन पर किए गए कार्य की चर्चा की। सांख्यिकीय अधिकारी कृषि विभाग कीर्ति वर्मा ने अपने अध्ययन के दौरान की यादों को ताजा किया। इस अवसर पर 2007 बैच में एमए करने वाली छात्रा आकांक्षा पाठक द्वारा लिखित पुस्तक "मानचित्र अभ्यास कार्य पुस्तिका" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डा. अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि पूर्व छात्रों का संघ विद्यार्थियों के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना बनाएगा।

एम.एससी केमिस्ट्री की कक्षाएं कल से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.एससी केमिस्ट्री व फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं की तिथि तय कर दी। केमिस्ट्री की कक्षाएं 11 सितंबर से शुरू होंगी। छात्र-छात्राओं का ओरिएंटेशन सत्र उसी दिन दोपहर 12.30 बजे से कमरा नंबर एस-102 में होगा। वहीं, एम.एससी फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 13 सितंबर से शुरू होंगी।

लवि के पूर्व प्रोफेसर को सम्मान : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आरके मिश्र को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आयोजित भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद के 60 वें अधिवेशन में विशिष्ट अकादमिक योगदान के लिए 'राष्ट्रीय सुशासन पुरस्कार 2023' से सम्मानित किया गया।

भारतीय और पाश्चात्य राजनीति-दर्शन तथा समकालीन राजनीति-दर्शन के क्षेत्र में उनकी विशेष रुचि और गति रही है। इन विषयों पर उनकी कई पुस्तकें और तीन दर्जन से अधिक लेख, शोधपत्र विभिन्न प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

बैंकिंग एवं वित्त मामलों की हुई सुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण की ओर से लविवि में आयोजित की गई राष्ट्रीय लोक अदालत में छात्रों और विवि के सदस्यों ने कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य मुकदमों का समय से निस्तारण करने का था। आज मुख्यत: बैंकिंग एवं वित्त मामलों की सुनवाई की गई। विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने अलग-अलग न्यायालय कक्षों में जाकर लोगों की समस्याएं पूछीं साथ ही अपर जिला जज सतेन्द्र सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बंशीधर सिंह व विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ. आलोक कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

जी-20 पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी ने जी-20 पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के बात मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी ने कैडेटों को संबोधित करते हुए एक वैश्विक नेता के रूप में भारत की क्षमता के विषय में बताया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। जिसमें जूनियर अंडर ऑफिसर अनुज कुमार चौहान ने पहला स्थान, सीएसएम प्रशांत पांडे ने दूसरा और कैडेट रिया गोस्वामी ने तीसरा स्थान हासिल किया। यह सम्मान मुख्य अतिथि और एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों ने दिए। इस दौरान मेजर किरण लता डंगवाल, मेजर आरके शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अपने काम के साथ न्याय करें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि हम जो भी कार्य करें उसके साथ न्याय कर सकें यह अवश्य सोचना चाहिए। विभाग और विश्वविद्यालय को अब हम क्या दे सकते हैं, इस पर भी हमें जरूर ध्यान देना चाहिए। भूगोल विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक में प्रो. पीके सिंह नेशनल पीजी कॉलेज ने भूगोल विभाग के शुरुआती दिनों से संबंधित अपने विचार रखते हुए पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह के प्रयासों की सराहना की। पवन कुमार यादव समाज कल्याण अधिकारी लखनऊ ने अपने शोध जीवन के विषय में बातें रखें।

माइंडफुलनेस रचनात्मक दृष्टिकोण बनाने में मददगार

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर आयोजित सत्र में वक्ताओं ने कहा कि माइंडफुलनेस रचनात्मक दृष्टिकोण और विचारों को बनाने में मदद कर सकती है। लविवि में आयोजित सत्र में वक्ताओं ने कहा कि युवाओं में आत्महत्या की दर अधिक है। कहा कि अपने लिए आत्म पुष्टि बनाने का प्रयास करना चाहिए। मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित सत्र में डॉ. अर्चना शुक्ला, डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, डॉ. सामदु छेत्री आदि मौजूद रहे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

कार्य के साथ न्याय जरूर करें : दुर्गेश

लखनऊ (एसएनबी)। भूगोल विभाग के सेमिनार हॉल में भूगोल विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक में विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान देने वाले छात्र सम्मिलित हुए।

भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि हम जो भी कार्य करें, उसके साथ न्याय कर सकें यह अवश्य सोचना चाहिए। अपने विभाग और विश्वविद्यालय को अब हम क्या दे सकते है, इस पर जरूर हमें ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. पीके सिंह नेशनल पीजी कॉलेज ने भूगोल विभाग ने पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह के प्रयासों की सराहना की। पवन कुमार यादव समाज कल्याण अधिकारी लखनऊ ने अपने शोध जीवन के विषय में बातें रखें।

समीक्षा अधिकारी उत्तर प्रदेश सचिवालय डॉ. अशोक द्विवेदी ने अपने वल्चर पर किए कार्य एवं घाघरा वाढ़ प्रबंधन पर किए गए कार्य की चर्चा की। सांख्यिकीय अधिकारी कृषि विभाग कीर्ति वर्मा ने अपने अध्ययन के दौरान की यादों को ताजा किया। वैठक में 2007 वैच में एमए करने वाली छात्रा आकांक्षा पाठक द्वारा लिखित पुस्तक 'मानचित्र अभ्यास कार्य पुस्तिका' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी ने वताया कि भूगोल विभाग के पूर्व छात्रों का संघ अपने सामाजिक दायित्वों एवं वर्तमान में विभाग मे अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करेगा।

इस अवसर पर डॉ. अरुण कुमार मौर्य सीएसएन पीजी कॉलेज हरदोई डॉक्टर काशिफ इमदाद, पीपीएन कॉलेज कानपुर डॉ. अनूप सिंह, डॉ. लालकृष्ण मिश्रा सहित अनेक पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

- सेमिनार हॉल में भूगोल विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक
- अपने विभाग व विश्वविद्यालय को हम क्या दे सकते हैं, इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए
- 'मानचित्र अभ्यास कार्य पुस्तिका' का विमोचन

TOI PAGE 3

LU hostel gets new provost for 3 years

Lucknow University vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai has appointed Prof Manisha Shukla from the chemistry department as the new provost of Nivedita Girls' Hostel for three years.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3, 6

निरीक्षण | राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन, सभी राष्ट्रीय लोक अदालत में हुई मुख्यत: बैंकिंग एवं वित्त मामलों की सुनवाई

लविवि के सदस्यों ने किया लोक अदालत की कार्य प्रणाली का निरीक्षण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने विधि संकाय के अधिष्ठता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह व विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ आलोक कुमार यादव के दिशा निर्देशन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जिला विधिक सहायता केंद्र के प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की सदस्यों ने लोक अदालत की कार्य प्रणाली का निरीक्षण किया तथा आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य मुकदमों का सुलभ, सफल और समय से निस्तारण करने का था, जिसमें दीवानी कचहरी, कलेक्ट्रेट, जनपद के समस्त तहसीलों, पारिवारिक न्यायालय, मोबाइलफोन व केबल नेटवर्क संबंधित प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीयसंस्थाओं से संबंधित प्रकरण, दीवानी वाद, उत्तराधिकारी वाद, किराएदार वाद, पारिवारिक वाद, वैवाहिक वाद, प्री लिटिगेशन मामले, मोटर दुर्घटना, प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं चलानी वाद व शमनीय प्रकृति के फौजदारी वाद शामिल थे। सभी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा आज मुख्यता बैंकिंग एवं वित्त मामलों की सुनवाई की। विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने अलग-अलग न्यायालय कक्षों में जाकर लोगों की समस्याएं पूछी, अपर जिला जज सतेन्द्र सिंह ने निरीक्षण किया।

पूर्व छात्र विभाग के लिए तैयार करेंगे कार्य योजना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सेमिनार हॉल में भूगोल विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान देने वाले छात्र सम्मिलित हुए। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि हम जो भी कार्य करें उसके साथ न्याय कर सकें यह अवश्य सोचना चाहिए। अपने विभाग और विश्वविद्यालय को अब हम क्या दे सकते हैं, इस पर जरूर हमें ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर नेशनल पीजी कॉलेज के प्रो. पीके सिंह ने भूगोल विभाग के शुरूआती दिनों से संबंधित अपने विचार रखते हुए पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह के प्रयासों की सराहना की। पवन कुमार यादव समाज कल्याण अधिकारी लखनऊ ने अपने शोध जीवन के विषय में बातें रखें। समीक्षा अधिकारी उत्तर प्रदेश सचिवालय डॉ. अशोक द्विवेदी ने अपने वल्चर पर किए कार्य एवं घाघरा वाढ़ प्रबंधन पर किए गए कार्य की चर्चा की। सांख्यिकीय अधिकारी कृषि विभाग कीर्ति वर्मा ने अपने अध्ययन के दौरान की यादों को ताजा किया। वैठक में 2007 वैच में एमए करने वाली छात्रा आकांक्षा पाठक द्वारा लिखित पुस्तक मानचित्र अभ्यास कार्य पुस्तिका का विमोचन किया।

प्रो. आरके मिश्र राष्ट्रीय सुशासन पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद के 60 वें अधिवेशन में लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. आरके मिश्र को उनके विशिष्ट अकादमिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सुशासन पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय-स्तर पर 41 वर्षों का अध्यापन-अनुभव रखने वाले प्रो. आरके मिश्र की भारतीय और पाश्चात्य राजनीति-दर्शन तथा समकालीन राजनीति-दर्शन के क्षेत्र में विशेष रुचि और गति रही है। इन विषयों पर उनकी कई पुस्तकें और तीन दर्जन से अधिक लेख/शोधपत्र विभिन्न प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इन विषयों पर पूरे देश की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में उनके सौ से अधिक व्याख्यान आयोजित हो चुके हैं। लगभग 20 विद्यार्थियों को शोध-निर्देशन प्रदान करने वाले प्रो. मिश्र विभिन्न विश्वविद्यालयों की अकादमिक समितियों के साथ-साथ भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, डॉ. जाकिर हुसैन दक्षिण एशिया अध्ययन संस्थान, कोलकाता और नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली की अकादमिक समिति के पूर्व सदस्य रहे हैं। देश भर से आए एक हजार से अधिक राजनीतिशास्त्रियों के मध्य यह सम्मान प्राप्त करके प्रोफेसर मिश्र ने लखनऊ विश्वविद्यालय की सौ वर्ष पुरानी अकादमिक परम्परा को गौरवान्वित किया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों को दिए आत्महत्या से बचाव के मंत्र

स्वतंत्र भारत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर

लविवि में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस विशेष सत्र आयोजित

पर डॉ.अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग और डॉ.मानिनी श्रीवास्तव, समन्वयक, महिला अध्ययन संस्थान,लविवि की देखरेख में एक हाइब्रिड मोड सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य अभियान के माध्यम से आशा पैदा करना था। सत्र के वक्ता डॉ. सामदु छेत्री, इंटरनेशनल हैप्पीनेस गुरु (बीबीसी), संस्थापक सदस्य, ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस सेंटर,भूटान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में करीब 150 छात्रों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने माइंडफुलनेस के बारे में चर्चा की और कहा कि माइंडफुलनेस रचनात्मक दृष्टिकोण और विचारों को बनाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कुछ प्रसन्नता के मंत्रों के बारे में भी बात की क्योंकि वर्तमान समय में युवाओं की आत्महत्या दर अधिक है। उनमें से एक मंत्र था-स्वयं रहो, दूसरों की तलाश मत करो, अंदर जाओ उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आप आप हैं- अपने लिए आत्म-पुष्टि बनाने का प्रयास करें। डॉ. सामदु ने प्रतिभागियों के साथ ताशी डेलेक खुशी यहाँ और अभी है गीत भी गाया। इसके अलावा छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक, नृत्य, प्रहसन, प्रश्नोत्तरी, गायन, कविता पाठ जैसे विभिन्न प्रस्तुतियां दी।

LOKSATYA PAGE 2

माइंडफुलनेस से बनते हैं विचार और रचनात्मक दृष्टिकोण

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला और महिला अध्ययन संस्थान की समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव की देखरेख में हाइब्रिड मोड सत्र आयोजित हुआ। सत्र का उद्देश्य अभियान के जरिए आशा पैदा करना था।

वक्ता भूटान के इंटरनेशनल हैप्पीनेस गुरु डॉ. सामदु छेत्री थे। लगभग 150 स्टूडेंट्स और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ सामदु ने माइंडफुलनेस के बारे में चर्चा की